उप-प्रबंधक रमन्ना, मोहसिन थॉमस व अजय यादव को बचाने के आरोप

अमलाई सीएम हादसे में 'मेन प्लेयर्स' पर कार्रवाई शून्य!

अनिल कुशवाहा,मृतक

धनपुरी पुलिस व डीजीएमएस की चुप्पी पर हाईकोर्ट सख्त

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की अमलाई ओसीएम में ठेका कंपनी आरकेटीसी के लिए काम कर रहे मजदूर अनिल कुशवाहा की मौत को दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन परिजनों ने जिन तीन प्रमुख जिम्मेदारों—उप क्षेत्रीय प्रबंधक रमन्ना, और ठेका कंपनी के संचालक मोहसिन थॉमस व अजय यादव—के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है, उन पर अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। उच्च न्यायालय ने इस पर कड़ा रुख दिखाते हुए सरकार व एजेंसियों से जवाब तलब किया है।

शहडोल।

जिले के अमलाई ओसीएम में हुए इस दर्दनाक हादसे ने न केवल एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही उजागर की है, बल्कि खदान सुरक्षा व्यवस्था की सड़ांध को भी सामने ला दिया है। जिस खदान में चालक अनिल कुशवाहा मौत के गड्ढे में समाए, वह लगभग 90 फीट गहरी, वर्षों से बंद पड़ी और बरसात के पानी से लबालब भरी थी। खदान को क्लोजर प्लान के तहत भरकर सुरक्षित करना था, लेकिन उप क्षेत्रीय प्रबंधक रमन्ना की निष्क्रियता के चलते यह खाई वर्षों से जान लेने को तैयार बैठी थी। इसी खतरनाक स्थल पर ठेका कंपनी आरकेटीसी के संचालकों मोहसिन थॉमस और अजय यादव ने ओवरबर्डन डालने का काम करवाया, मानो सुरक्षा नियमों की कोई कीमत ही नहीं थी। परिजनों ने स्पष्ट कहा कि हादसे वाले दिन बारिश की वजह से मिट्टी बेहद अस्थिर थी, बावजूद इसके मृतक पर काम का दबाव बनाया गया। यह दबाव किसका था—यह तीनों के नाम पर उंगली सीधी उठती है।

पानी में बह गई जिम्मेदारी

हादसे के बाद जो घटनाक्रम सामने आए, वह और भी विचलित करने वाले हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने लगभग 72 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन न शव मिला, न वाहन। इसके बाद भी एसईसीएल प्रबंधन ने न तो पानी पूरी तरह निकाला, न अवशेष बरामद करने की ईमानदार कोशिश की, जबकि परिजनों को सात दिन में अवशेष सौंपने का लिखित आश्वासन दिया गया था। आज भी वह खदान उसी तरह पानी से भरी है, जैसे प्रबंधन और ठेका कंपनी की जिम्मेदारी भी पानी में बह गई हो। मृतक की पत्नी और परिवार बताते हैं कि उन्हें बिना शव, बिना पोस्टमार्टम केवल प्रमाण पत्र थमा दिया गया, जो किसी भी मानक प्रक्रिया का खुला उल्लंघन है।

मामूली धाराओं में दर्ज हुआ अपराध

सबसे बड़ा सवाल धनपुरी थाना पुलिस की भूमिका पर उठता है। पुलिस ने इस गंभीर हादसे में पांच छोटे कर्मचारियों पर मामूली धाराओं में एफआईआर दर्ज कर खानापूर्ति कर दी, जबकि घटना के मूल में बैठे तीन बड़े नाम रमन्ना, मोहसिन थॉमस, अजय यादव—पर एक भी धारा नहीं लगाई गई। परिजनों का आरोप है कि थाना पुलिस ने जानबूझकर इन तीनों को बचाया और केस को कमजोर करने की कोशिश की। यही नहीं, जिन लोगों ने आदेश दिए, जिनके निर्णयों पर पूरा ऑपरेशन चल रहा था, उनके बयान तक लेने की जहमत नहीं उठाई गई। एसईसीएल और ठेकेदारों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने की यह कार्रवाई अब साफ दिख रही है, और यही वजह है कि मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा।

ठेकेदारों और प्रबंधन को संरक्षण

दूसरी तरफ, डीजीएमएस जबलपुर पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। माइंस एक्ट के तहत किसी भी मृत्यु-दुर्घटना में सुरक्षा जांच, जिम्मेदारी निर्धारण और रिपोर्ट की तैयारी अनिवार्य है। लेकिन इस मामले में डीजीएमएस की चुप्पी बेहद संदिग्ध मानी जा रही है। न तो निरीक्षण रिपोर्ट सामने आई, न दोषमुक्त करने या दोष सिद्ध करने की कोई कार्रवाई। यह प्रश्न अब उठ रहा है कि क्या डीजीएमएस की भूमिका भी ठेकेदारों और प्रबंधन को संरक्षण देने की दिशा में झुकी हुई है?

ठेका कंपनी आरकेटीसी को नोटिस

जब विभाग मौन रहे, पुलिस निष्क्रिय रहे और प्रबंधन लीपापोती करता रहे, तब परिजनों ने न्यायालय का सहारा लिया। माननीय उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति विशाल मिश्रा ने याचिका को गंभीरता से लेते हुए भारत सरकार, एसईसीएल, डीजीएमएस जबलपुर, थाना धनपुरी, कलेक्टर शहडोल सहित ठेका कंपनी आरकेटीसी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि इस मामले में सुरक्षा नियमों के उल्लंघन, जवाबदेही से बचने और लापरवाही के आरोपों की विस्तृत जांच आवश्यक है। याचिकाकर्ता की मांग है कि तीनों रमन्ना, मोहसिन थॉमस, अजय यादव—पर भारतीय न्याय संहिता की कठोर धाराओं में एफआईआर दर्ज की जाए, क्योंकि यह केवल दुर्घटना नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही और जान जोखिम में डालने का सीधा मामला है।

दोषियों को बचाने का खेल

परिवारजन कहते हैं कि छोटी गलती करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई और बड़े अधिकारियों को छोड़ देना न्याय का मजाक है। मृतक की पत्नी और अधिवक्ताओं का आरोप है कि असली दोषियों को बचाने का खेल चल रहा है और पुलिस उसका हिस्सा बनी हुई है। परिजनों ने प्रेसवार्ता में यह भी स्पष्ट किया कि जब तक तीनों जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होती, उनकी लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही मुआवजा राशि 40 लाख तत्काल दिलाने, मृतक के अवशेष बरामद कराने और खदान को क्लोजर प्लान के अनुसार स्थायी रूप से बंद कराने की मांग भी उठाई।

खबर संक्षेप

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में एक महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों, उसके ससुर और जेठ, को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब की गई जब मृतिका बेबी साहू उम्र 28 वर्ष का शव 19 नवंबर 2025 को ग्राम करुआ में एक कुएं में मिला था। पुलिस से जानकारी के अनुसार 19 नवंबर 2025 को गोहपारू पुलिस को मृतिका बेबी साहू पति चेतन साहू का शव कुएं में मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस, एफएसएल टीम और चिकित्सकों ने मौके का निरीक्षण किया और मर्ग जांच शुरू की। जांच के दौरान, मृतिका के परिजनों के कथन लिए गए। परिजनों ने बताया कि मृतिका के ससुर फूलचंद उर्फ दद्दा साहू उम्र 52 वर्ष और जेठ गणेश साहू उम्र 46 वर्ष दोनों निवासी ग्राम करुआ, मृतिका के चरित्र पर लगातार संदेह करते थे और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। प्रताडना की इंतिहा तब हुई जब दोनों आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया, जिससे अपमानित और आहत होकर मृतिका घर से निकल गई। इस संबंध में मृतिका के पति चेतन साहू ने थाना गोहपारू में गुम इंसान की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच और कथनों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि आरोपियों द्वारा लगातार मानसिक प्रताडना ही महिला की आत्महत्या का कारण बनी। लोक-लज्जा के भय से मृतिका ने यह कदम उठाया। गोहपारू पुलिस ने आरोपियों गणेश साहू और फूलचंद उर्फ दद्दा साहू के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस सफल और त्वरित कार्रवाई में सउनि विद्यासागर, सउनि भागचंद, प्रधान आरक्षक दलवीर सिंह, आरक्षक दशरथ सिंह और आरक्षक गुरुदयाल की विशेष भूमिका रही।

शहडोल में मध्याह्न भोजन में लापरवाही

शहडोल। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति के निर्देश पर जिले में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जारी निरीक्षण अभियान के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत गुणवत्ता मॉनिटर आभा खरे ने बुढ़ार विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बधवाटोला भरूहा तथा एकीकृत माध्यमिक विद्यालय भरूहा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पता चला कि दोनों शालाओं में मध्याह्न भोजन संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा पिछले छह दिनों से भोजन तैयार नहीं किया जा रहा था। बच्चों को भोजन उपलब्ध न होने की लगातार मिल रही शिकायतों की पुष्टि होने पर टीम ने समूह की लापरवाही को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई की अनुशंसा की। गुणवत्ता मॉनिटर ने शाला प्रबंधन समितियों को निर्देशित किया कि स्व-सहायता समूह को मध्याह्न भोजन संचालन कार्य से तुरंत पृथक किया जाए और बच्चों को नियमित व गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के पोषण से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

श्रीराम अस्पताल के प्राइवेट रूम में पति का जानलेवा हमला

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के पाली रोड स्थित श्रीराम अस्पताल में शनिवार शाम एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां प्राइवेट रूम में भर्ती महिला पर उसके पति ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार जयसिंहनगर वार्ड नंबर 6 निवासी 26 वर्षीय मनोरमा उपाध्याय बच्चेदानी के ऑपरेशन के बाद प्राइवेट रूम नंबर 6 में भर्ती थी। घटना के समय उसकी मां नीचे गई हुई थी और मनोरमा कमरे में अकेली थी।इसी दौरान मुंबई में रह रहा उसका पति अचानक अस्पताल पहुंचा और कमरे में घुसते ही दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ ही देर बाद कमरे से चीखें सुनकर अस्पताल स्टाफ और अटेंडेंस तुरंत मौके पर पहुंचे।

बाइक को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, युवक की मौत

शहडोल।

जिले में तेज रफ्तार के कारण होने वाले सडक़ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार दोपहर ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत पसगड़ी तिराहे पर हुए दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारी और चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस के अनुसार घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। युवक सूरज यादव पिता शिवू कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी उफरी, अपनी बाइक से ब्यौहारी की ओर जा रहा था। जैसे ही वह पसगड़ी तिराहे के पास पहुंचा, तभी सामने से तेज गति में आ रहे ट्रैक्टर ने उसे सीधा टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सूरज सडक़ किनारे जा गिरा और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, परंतु तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना होते ही ट्रैक्टर चालक बिना एक क्षण रुके वाहन सहित भाग गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस टीम घटनास्थल पहुंची, पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

पुलिस अब अज्ञात ट्रैक्टर और फरार चालक की तलाश में जुट गई है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इक_I हो गए। पुलिस ने कहा है कि ट्रैक्टर की पहचान कर जल्द ही चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। साथ ही घटना के सभी पहलुओं की जांच जारी है।

सड़क सुरक्षा और राहत योजनाओं की जानकारी अब चौराहों पर

यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान शुरू

शहडोल।

यातायात पुलिस ने सडक़ सुरक्षा एवं जनहित को केंद्र में रखते हुए शहर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों पर राहवीर योजना, हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना एवं कैशलेस उपचार योजना से संबंधित जागरूकता फ्लैक्स लगाए गए हैं। यातायात पुलिस का उद्देश्य सडक़ दुर्घटनाओं में घायल होने वाले पीड़ितों तथा आम नागरिकों को इन महत्वपूर्ण योजनाओं की समय पर उपलब्ध सहायता के प्रति जागरूक करना है। अधिकारियों के अनुसार,

फ्लैक्स पर प्रत्येक योजना की पात्रता, मिलने वाले लाभ, जरूरी प्रक्रिया एवं संपर्क हेतु हेल्पलाइन नंबर स्पष्ट रूप से उल्लेखित किए गए हैं, ताकि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित बिना देरी जरूरी सहायता प्राप्त कर सकें। पुलिस का कहना है कि अक्सर जानकारी के अभाव में कई जरूरतमंद समय पर आर्थिक सहायता एवं कैशलेस उपचार का लाभ नहीं ले पाते, इसलिए यह पहल जनहित में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि दुर्घटना की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर उपलब्ध सरकारी सहायता योजनाओं का उपयोग करें। अभियान के माध्यम से पुलिस न केवल सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ा रही है, बल्कि दुर्घटना पीड़ितों को समय पर राहत पहुंचाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

कांग्रेस द्वारा मनाई गई अंबेडकर जी की पुण्यतिथि

एसआईआर को लेकर रणनीतिक बैठक संपन्न

शहडोल।

जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व तथा जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी पुष्पराज सिंह की विशेष उपस्थिति में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण, धूप-दीप प्रज्वलन तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हुई। वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने अंबेडकर के समाज सुधार, शिक्षा, समानता और न्याय की दिशा में किए गए योगदानों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला रखने में डॉ. अंबेडकर की भूमिका अद्वितीय रही है। उन्होंने कहा कि जब देश समानता, शिक्षा और न्याय के मूल्यों की बात करता है, तो उसके पीछे डॉ. अंबेडकर की दूरदर्शिता और संघर्ष छिपा होता है। बाबा साहब केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता, छुआछूत और जातीय भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करने वाले महान समाज सुधारक थे। उनका सपना था—एक ऐसा भारत, जहाँ हर व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हों। कार्यक्रम के बाद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी और विधानसभा प्रभारी पुष्पराज सिंह ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से व्यापक विचार-विमर्श किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग के एसआईआर में बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। फार्म-6 और फार्म-7 के उपयोग में सजगता बरतने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक मतदाताओं के नाम न कटें और फर्जी मतदाता शामिल न हों, इसकी कड़ी निगरानी आवश्यक है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा कथित रूप से फर्जी मतदाता बढ़ाने के किसी भी प्रयास पर सतर्कता रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, समितियों को सुदृढ़ करने और जिलेभर में एसआईआर अभियान को तेज गति से चलाने पर सहमति जताई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी जिम्मेदारी से कार्य करेगा। बैठक का संचालन सोहागपुर ब्लॉक अध्यक्ष शिवशंकर शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय अवस्थी, पुष्पराज सिंह, नीरज द्विवेदी, कुलदीप निगम, संध्या सिंह, रमेश जायसवाल, पीयूष शुक्ला, प्रभात पांडेय, अनुपम गौतम, आशीष तिवारी, सौरभ तिवारी, विष्णु प्रताप सिंह समेत अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में महिला बाल विकास विभाग शहडोल द्वारा वन स्टॉप सेंटर 'सखी' जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा, असुरक्षित स्पर्श की पहचान तथा त्वरित सहायता प्राप्त करने के तरीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला बाल विकास संजीता भगत, वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर भानुप्रिया, आउटरीच वर्कर सुमित्रा बेगा सहित विभागीय टीम ने प्रतिभागियों को वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि सेंटर में पीड़ित महिलाओं को मेडिकल, कानूनी, मनोवैज्ञानिक एवं पुलिस सहायता एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही जरूरतमंदों के लिए 24&7 उपलब्ध हेल्पलाइन नंबर 181 को भी महत्वपूर्ण बताया गया। कॉलेज प्रबंधन और स्टाफ ने भी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान कॉलेज निदेशक डॉ. हरीश गुप्ता, डॉ. नम्रता पटेल सहित स्टाफ सदस्यों ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और आत्मविश्वास के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को हर प्रकार की हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने, आवश्यक सहायता प्राप्त करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करना रहा। विभाग के अनुसार इस तरह के अभियान समाज में संवेदनशीलता और सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वदेशी संकल्प यात्रा आज से शहडोल संभाग में प्रवेश
आत्मनिर्भर भारत के संदेश को मिलेगा नया विस्तार

शहडोल। अखिल भारतीय व्यापारी परिषद एवं स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में संचालित स्वदेशी संकल्प यात्रा आज से शहडोल संभाग में प्रवेश कर रही है। यह राष्ट्रव्यापी यात्रा 15 अक्टूबर 2025 को नागपुर (महाराष्ट्र) से प्रारंभ हुई थी तथा वर्तमान में महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरों में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में इसका शुभारंभ 1 दिसंबर को पांढुरना से हुआ, जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेंद्र जैन, प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल, गोविंद दास असाटी एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। संभाग प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, संभागीय अध्यक्ष प्रेम जगवानी, मीडिया प्रभारी कमलजीत सलूजा, प्रदेश मंत्री पदम खेमका सहित संभाग व जिलों के पदाधिकारियों ने बताया कि रथ यात्रा आज 7 दिसंबर को अमरकंटक में प्रवेश करेगी। इसके पश्चात अमरकंटक, पुष्पराजगढ़ और अनूपपुर में प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे। 8 दिसंबर को रथ यात्रा अनूपपुर, जैतहरी व कोतमा होते हुए शहडोल पहुंचेगी, जबकि 9 दिसंबर को शहडोल के विभिन्न कार्यक्रमों के बाद यात्रा उमरिया से जयसिंहनगर रवाना होगी। 10 दिसंबर को जयसिंहनगर और ब्यौहारी के कार्यक्रमों के पश्चात यात्रा सीधी जिले के मझौली की ओर प्रस्थान करेगी। स्वदेशी संकल्प यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाओ—देश बचाओ जैसे राष्ट्रीय संदेशों को जन-जन तक पहुँचाना है। यात्रा के दौरान नागरिकों को स्वदेशी व विदेशी उत्पादों की पहचान, स्वदेशी वस्तुओं से विदेशी मुद्रा की बचत, देश के उद्योगों को मिलने वाला प्रोत्साहन तथा रोजगार सृजन जैसे विषयों पर जागरूक किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि स्वदेशी अपनाना राष्ट्र की आर्थिक मजबूती व समृद्ध भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एचएमएस प्रदेश कार्यकारिणी बैठक आज

शहडोल। हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक 7 दिसंबर को भोपाल में आयोजित की जाएगी, जिसके लिए शहडोल के वरिष्ठ श्रमिक नेता विनय सिंह शुक्रवार को भोपाल रवाना हो गए। इस बैठक में देशभर के श्रमिक संगठनों में विशेष पहचान रखने वाले एचएमएस के राष्ट्रीय सचिव मुकेश गालव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों रेलवे, एनसीएल, डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल, बीएचईएल भोपाल, नागदा, अमलाई, इंदौर, ग्वालियर, रीवा और सिंगरौली से जुड़े प्रतिनिधि और यूनियन पदाधिकारी भाग लेने वाले हैं।

बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों पर रणनीति, तथा हाल ही में लागू चार लेबर कोड्स के प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश स्तर पर महिला एवं युवा समितियों के गठन पर भी निर्णय लिया जाएगा। कोयला मजदूर पंचायत (एचएमएस) के केंद्रीय महामंत्री एवं कोल इंडिया ड्रेस कोड समिति के सदस्य विनय सिंह ने बताया कि बैठक श्रमिक संगठनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे आने वाले दिनों की कार्ययोजना तय होगी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में सिंह प्रदेश स्तर पर शहडोल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

पंजाब को हराकर झारखंड बना विजेता

खेल में कोई हारता या जीतता नहीं बल्कि सीखता हैः कलेक्टर

खेलों मानसिक एवं शारीरिक विकास में अहम योगदानः अध्यक्ष

खिलाड़ी हार से सीख लेकर अगली जीत की करें तैयारीः जायसवाल

उमरिया।

केंद्र एवं मध्य प्रदेश सरकार खेलो को बढ़ावा दे रही है। जिसका नतीजा है कि भारत के खिलाडी पूरी लगन एवं अनुशासन के साथ खेल को खेलते है, तथा गोल्ड, सिल्वर तथा कांस्य मेडल प्राप्त कर रहे है। शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर जिसे देश का मिनी ब्राजील कहा जाता है,के 6 खिलाडिय़ों ने जर्मनी में जाकर फुटबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त किया है । विचारपुर मिनी ब्राजील की चर्चा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कही है। यह विचार स्टेडियम उमरिया में फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर आयोजित फायनल मैच कार्यक्रम को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि खेल में हार जीत मायने नही रखती, क्योंकि खेल में एक टीम विजेता एवं एक टीम उप विजेता बनती है। हार मे हुई गलती से सीख लेकर जीत की तैयारी करेंगे तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। आज के मैच में खिलाडिय़ों ने पूरे अनुशासन के साथ खेल को खेला है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाए , ऐसी मेरी शुभकामना है। उन्होंने कहा कि सबकी भागीदारी से यह फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न हुई है, जो बधाई के पात्र है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि खेल खेलने से जहाँ एक ओर शारिरिक एवं मानसिक विकास होता है, वही दूसरी ओर बीमारियों से भी निजात मिलती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि 1 दिसम्बर से 6 दिसम्बर तक चली 69 वी राष्ट्रीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में सभी खिलाडिय़ों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है । फुटबाल खेल प्रतियोगिता में 33 राज्यों के 697 खिलाडियो ने अपने खेल का प्रदर्शन किया है।खिलाडियो के रूकने, परिवहन की व्यवस्था शासन व्दारा की गई थी।आसुतोष अग्रवाल ने सभी टीमो को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उमरिया जिले में चार जगहों पर आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में खिलाडिय़ों ने जो अपना जौहर दिखाया है, उसे सदैव उमरिया याद करेगी। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की।

जिला मुख्यालय उमरिया स्थित स्टेडियम ग्राउण्ड सहित पीटीएस ग्राउण्ड,कृष्णताल, चंदिया स्टेडियम में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय 14 वर्ष बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन 6 दिसम्बर को स्टेडियम ग्राउण्ड में हुआ। समापन अवसर पर फायनल मैच झारखंड एवं पंजाब के मध्य दोपहर 2 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमे दोनों ही टीमो ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया । गोल्डन गोल के पश्चात पंजाब की टीम ने पेनाल्टी की , जिसके बाद झारखंड की टीम ने लास्ट गोल मारकर जीत अर्जित की ।तीसरे स्थान के लिए जम्मू कश्मीर एवं मणिपुर के मध्य फुटबाल का मैच खेला गया, जिसमे मणिपुर ने जीत अर्जित की ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया, सेंट्रल एकेडमी स्कूल उमरिया, ज्वाला ग्रुप उमरिया,आई पी एस स्कूल उमरिया द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अन्य अथितियों द्वारा फुटबाल प्रतियोगिता की विजेता टीम झारखण्ड, उप विजेता टीम पंजाब, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मणिपुर की टीम को ट्राफी से पुरस्कृत किया । प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीम को भी पुरुस्कार से नवाजा गया। खेल के दौरान अच्छा खेल का प्रदर्शन करने वाले , खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने मे अपना योगदान देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के समापन के दौरान मुख्य अतिथि ने खेल ध्वज उतारकर जिला शिक्षा अधिकारी को सौपा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। मंच का सफल संचालन सुशील मिश्रा, प्रदीप सिंह गहलोत ने किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भगवानी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष ओम नारायण सिंह, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी,एस जी एफ आई से वेद प्रकाश यादव सहित बड़ी संख्या मे खिलाडी तथा खेल प्रेमी उपस्थित रहे ।

मध्यप्रदेश परिवहन विभाग का 4515 करोड़ टैक्स-जुर्माना वसूली

परिवहन आयुक्त ने दिए सख्ती के निर्देश

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

मध्यप्रदेश में परिवहन एवं माल वाहनों तथा अन्य निजी वाहनों पर 4515 करोड़ 28 लाख 86 हजार 577 रुपए का टैक्स बाकी है। टैक्स बाकी होने के कारण इन वाहनों को न तो परमिट जारी किए जा रहे है और न ही इन्हें फिटनेस प्रमाणपत्र और और एनओसी जारी की जा रही है।

मध्यप्रदेश में गैर परिवहन दोपहिया, कार, जीप वाहनों पर इस वित्तीय वर्ष में 9 करोड़ 3 लाख रुपए का टैक्स लेना बाकी है। इसी तरह यात्री परिवहन में उपयोग किए जाने वाले ऑटो रिक्शा, टैक्सी, बसों पर 1173 करोड़ 23 लाख 50 हजार 486 रुपए का टैक्स चालू वर्ष में बकाया है। प्रदेश के माल वाहन और अन्य वाहनों पर 3332 करोड़ 70 लाख 85 हजार 311 रुपए का टैक्स लेना बाकी है। इस तरह यात्री परिवहन वाहनों, गैर यात्री परिवहन वाहनों और माल वाहनों पर 4515 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स वसूली बाकी है। एक अप्रैल से लेकर अभी तक नान ट्रांसपोर्ट वाहनों से 4 लाख 38 हजार 213 रुपए के टैक्स की वसूली की गई है। परिवहन आयुक्त ने सभी आरटीओ को पुराने बकाया टैक्स वसूली में तेजी लाने के लिए कहा है। प्रदेश भर में जिन वाहनों पर टैक्स और जुर्माने की राशि वसूल की जाना है, ऐसे वाहनों पर फिटनेस प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। इन वाहनों को बेचने पर इनके स्वामित्व का ट्रांसफर नहीं होगा। वहीं ऐसे वाहनों को अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी नहीं किए जाएंगे। बकाया की स्थिति में किसी भी मार्ग पर वाहन संचालन के लिए परमिट प्रदाय नहीं किया जाएगा। चेकिंग के दौरान ऐसे वाहनों से बकाया कर और जुर्माने की राशि वसूल करने के निर्देश सभी प्रदेश के आरटीओ को दिए गए हैं। अनूपपुर जिले में चेकिग अभियान जोरो पर है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में डी एल सी सी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के बैंको की सीडी रेशियो की विस्तृत समीक्षा,नाबार्ड राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास द्वारा वर्ष 2026 -27 का विमोचन एवं विस्तृत चर्चा , सी एम हेल्प लाइन में लंबित शिकायतों के निराकरण पर चर्चा, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के घटक अंतर्गत ईडब्यूएस,एलआईजी , एमआईजी वर्ग के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने पर चर्चा, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा,आगामी नेशनल लोक आदालत मे प्रेषित प्रकरणों पर चर्चा , बैंको के बढते एनपीएम एवं आरआरसी की समीक्षा की गई ।

बैठक में बताया गया कि जिले कि जमा ऋण अनुपात 34.44 प्रतिशत है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक के न्यूनतम बेंचमार्क 40 प्रतिशत से कम है जिसके सुधार हेतु कलेक्टर ने जिला में बड़े उद्योगों को आकर्षित करने कि आवश्यकता है तथा बड़े ऋण कि ओर ध्यान देने,एवं सरकार कि महत्वाकान्छी योजना को बैंक अविलम्ब स्वीकृत कर वितरण करने हेतु निर्देशित किया ।जिला व्यापार एवं उद्योग के महा प्रबंधक को एवं माइनिग विभाग अधिकारी तथा बैंक को निर्देश दिए गए।

कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों को बैंक अविलम्ब स्वीकृति एवं वितरण कि कार्यावाही करे एवं विभाग लक्ष्य के विरुद्ध 150 प्रतिशत प्रकरण बैंको में प्रस्तुत करे । कलेक्टर ने कहा कि बैंको द्वारा 5405 आरआरसी प्रकरण दर्ज है जिसमे कुल 63.37 करोड़ कि राशि है जिसकी वसूली हेतु तहसीलदारों से मांग पत्र जारी कराने हेतु सभी बैंकर्स को तहसीलदार से संपर्क करने हेतु निर्देशित किया गया । वार्षिक साख योजना अंतर्गत बैंको ने दूसरी तिमाही में 58.50 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है जिसमे जिले कि बैंको द्वारा 58 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र में वित्तपोषण किया है वहीं सबसे ज्यादा एनपीए इसी स्कीम में है , सबसे ज्यादा जिला सहकारी बैंक का 64ः एनपीए है।

बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 48675 खाता धारकों कि कुल राशि रु.21.32 करोड़ है इन खातों में 10 वर्षों से अधिक समय से कोई लेन देन नहीं होने पर खाता अनक्लेम्ड डिपोजिट भारतीय रिजर्व बैंक के पास चली गयी है जिसकी सक्रियता हेतु भारत सरकार एवं आरबीआई द्वारा आपकी पूंजी आपका अधिकार अंतर्गत जागरूक कर रही है । जिले में कुल 78320 खाता धारकों कि आर के वायसी पेंडिंग है जिसमे बैंको द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर चार माह विशेष शिविर के माध्यम से 26.62प्रतिशत आर के वायसी की गई । भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के अधिकारी रामनागर द्वारा बैंको को आर केवायसी हेतु अधिक प्रचार प्रसार करने एवं पेंडिंग कम करने हेतु कहा गया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया अभय सिंह ,भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के अधिकारी रामनागर , नाबार्ड के अधिकारी विकास कुमार जैन एवं सम्बंधित विभाग के जिला प्रमुख आदिम जनजाति विभाग,जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, उधानिकी विभाग ,कृषि विभाग, मत्स्य विभाग,जिला शहरी विकास अभिकरण विभाग, एन आर एल एम विभाग तथा जिला के समस्त बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सेवक राम सोनवानी द्वारा किया गया ।

विकासखंड स्तरीय बैडमिंटन फुटबॉल का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

शनिवार को शासकीय माडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर मे कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी टी.आर. आमो के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विकासखंड स्तरीय बैडमिंटन फुटबॉल बालक बालिका 19 वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत कोतमा के अध्यक्ष जीवन सिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ एवं पार्षद राजेंद्र प्रसाद सोनी अभिषेक सराफ पुष्पेंद्र जैन, प्रदीप सोनी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी आरके मिश्रा, जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख खलील कुरैशी प्राचार्य विनोद कुमार पटेल एवं विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कुल 11 विद्यालय की टीमों ने भाग लिया। जिसमें फुटबॉल बालिका वर्ग में प्रथम स्थान शासकीय कन्या शिक्षा परिसर कोतमा, उपविजेता शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा एवं बालक वर्ग में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कोतमा प्रथम स्थान उपविजेता शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा और बैडमिंटन में बालिका और बालक वर्ग में पांच पांच खिलाड़ियों का चयन जिला स्तर के लिए किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में मिथलेश सिंह नेताम खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड कोतमा, विनोद केवट स्टेट रेफरी फुटबॉल, शेख कोनेन कुरैशी स्टेट रेफरी मध्य प्रदेश एवं विवेक यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्राचार्य द्वारा विजेताओं को मेडल एवं पुरस्कार देकर किया गया।

डिण्डौरी पुलिस का ऑपरेशन मुस्कान सफल, 29 गुमशुदा बच्चे सकुशल लौटे

डिण्डौरी

जिले में नाबालिग बच्चों की सुरक्षा और गुमशुदा बालक-बालिकाओं की खोज पर केंद्रित विशेष अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" एक माह तक चलाया गया। यह अभियान 1 से 30 नवंबर 2025 तक संचालित हुआ और पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमती वाहनी सिंह के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय रूप से सफल रहा।

अभियान का उद्देश्य गुमशुदा बच्चों की दस्तयाबी, बालिकाओं के पलायन पर रोक, साइबर और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता तथा छात्राओं को सुरक्षा व करियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

अभियान के दौरान जिले के सभी शिक्षण एवं आवासीय संस्थानों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने पाँच प्रमुख कार्यक्रमों में स्वयं उपस्थित होकर बालिकाओं से संवाद किया और आवश्यक सुरक्षा सुझाव साझा किए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने छह कार्यक्रमों में भाग लिया, जबकि जिले के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस द्वारा उन्चास, थाना और चौकी प्रभारियों द्वारा एक सौ बत्तीस तथा अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा पैंतालीस कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुल दो सौ दो शैक्षणिक संस्थानों में दो सौ सैंतीस कार्यक्रमों के माध्यम से बीस हजार चार सौ पचासी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया।

गुमशुदा बच्चों की खोज में इस अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। कुल 29 बच्चों को विभिन्न राज्यों से दस्तयाब किया गया, जिनमें 27 बालिकाएँ और 2 बालक शामिल रहे। इनमें केरल से पाँच, कर्नाटक, राजस्थान और तेलंगाना से एक-एक, महाराष्ट्र से दो, छत्तीसगढ़ और दिल्ली से एक-एक बच्चा बरामद किया गया। मध्यप्रदेश में जबलपुर और विदिशा से एक-एक तथा डिण्डौरी जिले से 15 बच्चों को सुरक्षित ढूँढकर परिजनों को सौंपा गया। यह सफलता डिण्डौरी पुलिस की तत्परता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

खबर संक्षेप

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पर भेदभाव करने का आरोप

बड़वारा। भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने भेदभाव के संबंधी शिकायत अनुविभागीय अधिकारी को सौंपी गई है। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत खुर्सी (माझागवा) में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया बर्मन के द्वारा SC, ST समाज के लोगों के साथ भेदभाव किया जाता है। जैसे की रजिस्टर में साइन कराया जाता है दूर से फेंक कर। पूछने में बताया जाता है कि मैं बोतल में पानी लिए है और यह जात के चौधरी हैं। इसलिए मैं अपनी बोतल नहीं छुआ सकती। भीम आर्मी के पदाधिकारी उस जगह मौजूद थे जो कि उनके सामने यह घटना घटित हुई है। मोहल्ले के लोगों को जाति सूचक शब्द बोलते हुए आगे निकल गई और यह भी बोल रही थी कि तुमसे जो बन सके कर लेना हम ऐसे ही करते हैं और करते रहेंगे। शिकायत पत्र सौंपते समय भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष चंद्रभान बौद्ध जिला उपाध्यक्ष जय सूर्यवंशी जिला सचिव अनिमेष पटेल सुरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

सीएसआर के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने निर्देश

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली मध्यप्रदेश कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति की आगामी बैठक को देखते हुए नगर पालिक निगम, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, शासकीय तिलक कन्या महाविद्यालय, खेल विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को विभागांतर्गत सीएसआर के अंतर्गत कराई जाने वाली गतिविधियों एवं कार्यों की प्रविष्टि सीएसआर पोर्टल पर अपलोड करने हेतु अपने प्रस्तावों व रिपोर्ट की प्रति तत्काल महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कटनी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

निराश्रितों को ठंड से बचाने रैन बसेरा की सुविधा

कटनी। वर्तमान में निरंतर बढ़ रही शीत लहर के प्रकोप से यात्रियों, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को राहत देने के लिए रैन बसेरा की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त रखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर निराश्रितों को सुरक्षित रूप से आश्रय स्थल रैन बसेरा तक पहुंचाने हेतु रात्रिकालीन निःशुल्क वाहन सेवा भी निरंतर जारी है। रैन बसेरा प्रभारी एवं निगम के राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि बस स्टेंड स्थित रैन बसेरा में वर्तमान शीतलहर एवं जरूरतमंदों की सुविधा को देखते हुए पर्याप्त संख्या में बिस्तरों एवं गर्म कपड़ों रजाई, गद्दे के अलावा स्वच्छता, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है, ताकि कोई भी ठंड से परेशान न हो सके। इसके अतिरिक्त रैन बसेरा वाहन के माध्यम से नगर के विभिन्न स्थलों, रेलवे स्टेशन के बाहर, बस स्टैंड परिसर, जिला चिकित्सालय, उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर सहित अन्य विभिन्न स्थलों में रात्रिकालीन नगर भ्रमण करते हुए रैन बसेरा की मुनादी कराई जाकर जरूरतमंदों को वाहन में बैठाकर रैन बसेरा तक निःशुल्क पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

'प्रोजेक्ट मॉडल प्रस्तुत' करने हुआ कार्यक्रम

कटनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में प्रोजेक्ट मॉडल प्रस्तुत कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने पर्यावरण एवं वनस्पति विज्ञान विषयों पर आधारित नवाचार प्रोजेक्ट और तकनीकी ज्ञान को देखते हुए विषय विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से योगदान दिया तथा सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जागरूकता, रचनात्मक सोच और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना था।

हाई मास्क लाइट लगाकर कनेक्शन करना भूल गये

नगर परिषद के अंतर्गत दो जगह मिडवे ट्रीट मानपुर तिराहा एवं टंकी तिराहा के पास 5 मार्क्स लाइट लगी हुई है तभी से चालू नहीं इसके लिए कई बार एमपीआरडीसी के अधिकारियों को फोन किया गया हर बार सिर्फ आश्वासन मिला

ब्यौहारी।

उनके द्वारा कहा जाता है कि अभी इंजीनियर बाहर है कभी कहा जाता है नगर पालिका वाले जाने इस तरह के बहाने बनाए जाते हैं और 7 दिन में लाइट सुधरवाने का आश्वासन दिया जाता है लेकिन रोड बने सालों बीत गए लेकिन वह 7 दिन अभी तक नहीं आया नगर वासियों ने चौराहों में शानदार प्रकाश के लिए लगाए गए हाई मास्क लाइट को शीघ्र चालू कराए जाने की मांग की है

इनका कहना

टंकी तिराहा में हाई मास्क लाइट शूरू करवाई जाये यहां सुलभ काम्प्लेक्स भी नहीं है 2 डिसमिल सरकारी जमीन पड़ी हुई है उसमें काम्प्लेक्स वनवाया जाये।

मृगेंद्र सिंह गुड्डू
टंकी तिराहा ब्यौहारी-

मैं यहां होटल चलाता हूं लाइट ना जलने से टंकी तिराहा में अंधेरा छाया रहता है कई बार अधिकारियों को बताया लेकिन कोई सुनने वाला नहीं

शिवम केसरवानी
होटल संचालक।

इस लाइट से नगर परिषद का कोई लेना देना नहीं है एमपी आरडीसी द्वारा इसमें कनेक्शन नहीं किया गया हम लोग कई बार फोन लगाते हैं कोई फोन उठाने वाला नहीं है अभी तक एमपी आरडीसी में लाइट को हैंडोवर भी नहीं किया है यहां के मैनेजर को फोन करने पर नहीं उठाया जाता

वींरेंद्र चतुर्वेदी
बिजली प्रभारी

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से युवक की मौत

ब्यौहारी।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत पसगडी गड़ी चौराहा से 50 मीटर दूर पपडेरी रोड में 06/12/25 को दोपहर 2:30 बजे युवक पसगाड़ी से अपने घर की ओर जा रहा था वही पपडेरी की ओर से आ रहे ट्रैक्टर की ट्राली से टकरा गया ट्राली की टक्कर से युवक की मौत हो गई ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया युवक का नाम सरजू यादव पिता शिवकुमार यादव ग्राम खारी बताया जा रहा है वही ट्रैक्टर संतोष यादव पसगडी का बताया जा रहा है घटना की जानकारी परिजनों द्वारा पुलिस को दे दी गई है।

डॉ.भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन

शहडोल।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल इकाई ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि, जिसे सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया जाता है, पर पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यादायिनी माता सरस्वती, युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद और बाबा साहेब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर प्रभारी डॉ गीता सराफ ने कहा कि युवा पीढ़ी को बाबा साहेब के विचारों को जीवन व्यवहार में उतारते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक जागरूकता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। डॉ.चेतना सिंह ने संविधान की मूल भावना के पालन पर जोर देते हुए कहा कि छुआछूत और भेदभाव जैसी कुरीतियों को मिटाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता तभी संभव है जब हम समानता और न्याय के मूल्यों को व्यवहार में लाएँ। मुख्य वक्ता डॉ जितेंद्र सेन ने बाबा साहेब के प्रसिद्ध मंत्र शिक्षित बनो, संघर्ष करो, संगठित रहो का उल्लेख करते हुए कहा कि लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर प्रयास ही युवा शक्ति की पहचान है। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समरस समाज निर्माण में छात्रों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में नगर मंत्री अमन त्रिपाठी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय, नगर उपाध्यक्ष डॉ सिद्धार्थ मिश्रा, प्रिया सिंह, राकेश मिश्रा, भूमिका द्विवेदी, आकाश मिश्रा, शिवा गौतम सहित परिषद के अनेक कार्यकर्ता, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

खैरहा भूमिगत खदान प्रबंधन के खिलाफ CISTEA ने खोला मोर्चा

सिस्टा प्रतिनिधियों के अपमान का मुद्दा गरमाया

धनपुरी।

खैरहा भूमिगत खदान में आयोजित खान सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम के दौरान कोल इंडिया SC/ST एम्प्लाइज एसोसिएशन (CISTEA) के प्रतिनिधियों के साथ कथित अपमान और भेदभाव का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। संगठन ने इसे अनुसूचित जाति–जनजाति कर्मचारी प्रतिनिधियों के सम्मान पर सीधा आघात बताते हुए महाप्रबंधक सोहागपुर क्षेत्र को विस्तृत शिकायत सौंपी है। 4 दिसंबर 2025 को आयोजित कार्यक्रम में सिस्टा प्रतिनिधियों को विधिवत आमंत्रण पत्र भेजा गया था। इसके बावजूद मंच से उपस्थित सभी संगठनों का नाम लेकर सम्मानित किया गया, जबकि सिस्टा प्रतिनिधियों को संबोधन और मंच पर सम्मान देने तक से वंचित रखा गया। संगठन ने इसे "सोची-समझी उपेक्षा" और "एससी/एसटी कर्मचारियों के प्रति दुर्भावना" करार दिया है। संगठन के अध्यक्ष महेश कुमार पनिका ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताया। उन्होंने कहा—"सार्वजनिक मंच पर SC/ST प्रतिनिधियों का अपमान केवल नैतिक नहीं बल्कि कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है। कंपनी के नियम स्पष्ट हैं कि CISTEA सहित सभी श्रम संगठनों को समान सम्मान मिलना चाहिए। यदि जानबूझकर भेदभाव किया गया है, तो यह SC/ST अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय है। ऐसी घटनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई अनिवार्य है।"सिस्टा ने मांग रखी है कि खैरहा भूमिगत खदान प्रबंधन द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। घटना के बाद संगठन में तीव्र रोष व्याप्त है और कर्मचारी वर्ग भी इसे अपमानजनक मानते हुए प्रबंधन से जवाबदेही की मांग कर रहा है।इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए संगठन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी विस्तृत पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है, जिसकी पुष्टि संगठन पदाधिकारियों ने की है। क्षेत्र में यह मुद्दा तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले दिनों में इसके और गर्माने की आशंका जताई जा रही है।

जल संचय करने श्रमदान कर किया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 3 कन्हवारा के प्रस्फुटन ग्राम मड़ई में नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी कटनी के द्वारा जल संचय अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित ग्राम वासियों समिति के उपस्थित सदस्यों से जल संचय अभियान के अंतर्गत जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने हेतु प्रेरित किया गया।

परिषद के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केशवाल ने संपूर्ण जिले में नवांकुर संस्थाओं प्रस्फुटन समितियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यनरत छात्र-छात्राओं द्वारा चलाए जा रहे जलसंचय अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सभी ग्राम वासियों को जन भागीदारी से नदी नालों में बहने वाले पानी को रोक कर सिंचाई, पशु पक्षियों आदि के उपयोग के लिए बचाने हेतु अधिकतम सहभागित्ता करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल की छात्राओं के द्वारा जल संचय से संबंधित गीत में शानदार नृत्य प्रस्तुत करते हुए ग्राम वासियों को जल संचय करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में रैली निकालकर जल संचय करने का संदेश दिया गया एवं आगामी कार्यक्रम हेतु कार्य योजना तैयार की गई। तत्पश्चात द्वितीय चरण में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम के बाहर बहने वाली नदी में श्रमदान के माध्यम लगभग 100 बोरियों का बोरी बंधान किया गया।इस अभियान में विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र नवांकुर संस्था के अध्यक्ष राम लखन चौधरी सदस्य शिवकुमार चौधरी गनपत कोल श्रीमती रूपा बर्मन मुख्यमंत्री नवाबपुर संस्था साध्वी जन कल्याण समिति साध्वी निगम नव परिवर्तन प्रकाश फाऊंडेशन से शिवम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

योजना का लाभ लेकर अधिक मजबूती से प्रारंभ कर सकेंगे व्यवसाय

पीएम स्वनिधि योजना के तहत 8 पथ विक्रेताओं को 2.25 लाख ऋण स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासन के माध्यम से संचालित महात्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर के रेहड़ी-पटरी एवं पथ व्यवसायियों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से पात्र 8 हितग्राहियों को दो लाख 25 हजार रूपये का ऋण स्टेट बैंक आफ इंडिया मेन ब्रांच से स्वीकृत किया जाकर ऋण राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। योजना का लाभ प्राप्त होनें से पथ विक्रेता अब बिना विलंब अपने व्यवसाय को और भी अधिक मजबूती के साथ प्रारंभ कर सकेंगे।

योजना प्रभारी यश रजक ने बताया कि महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के ऋण प्रकरण स्टेंट बैंक आफ इंडिया मेन ब्रांच की ओर ऋण स्वीकृति हेतु प्रेषित किये गए थे। उपरोकत प्रकरणों की आवश्यक जांच आदि की जाकर 7 हितग्राहियों को 25-25 हजार रूपये तथा एक हितग्राही को 50 हजार रूपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। स्वीकृत ऋण राशि का उपयोग हितग्राही सामग्री क्रय, व्यापार उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने और दैनिक संचालन को सुचारू बनाने में कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय बाजार में सेवाओं की उपलब्धता भी बेहतर होगी। श्री रजक ने बताया कि नगर निगम द्वारा अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को स्वनिधी योजना की जानकारी प्रदान की जाकर आवेदन आमंत्रित करने का क्रम अनवरत जारी है। वहीं पात्र लाभार्थियों की सूची का नियमित रूप से परीक्षण किया जाकर पात्र हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृति हेतु बैंक की ओर स्वीकृति हेतु प्रेषित किये जा रहे है। योजना का मुख्य उद्देश्य पथ विक्रेताओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत शेष पात्र पथ -विक्रेताओं से आग्रह किया गया है कि इस योजना के तहत शेष छूटे हुए इच्छुक पात्र हितग्राही 15 हजार रुपये के ऋण हेतु तथा पूर्व में प्रथम चरण के तहत ऋण राशि चुकता कर चुके हितग्राही आगामी 25 हजार रुपये एवं 50 हजार रुपये तक के ऋण अथवा योजना से संबंधित अन्य जानकारी हेतु दस्तावेजों सहित निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 63 से संपर्क कर सकते है।

आंगनबाड़ी में कुपोषित बच्चों की जानकारी मिलने पर जताई चिंता

एमडीएम एवं शिक्षा की गुणवत्ता को परखने सीईओ ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आपका नाम क्या है, किस कक्षा में पढ़ते हो, आज क्या पढ़ा और क्या खाया... और भविष्य में आप क्या बनना चाहते हैं, कुछ ऐसे प्रश्नों के जवाब सुनकर छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर, डॉक्टर,इंजीनियर और अन्य उच्च पदों पर जाने की इच्छा जताई। ऐसे कुछ उत्तर जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा माध्यमिक शाला बड़गांव में निरीक्षण के दौरान पूछे गए सवालों के फलस्वरुप कक्षा सातवीं के छात्र-छात्राओं से मिले।

छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई करते हुए सुश्री कौर ने कहा कि सपना साकार करने के लिए आप कैसी तैयारी कर रहे हैं। आप पिछले 3 सालों के प्रश्नपत्रों को हल करिए। पढ़ाई के लिए नियमित अध्ययन एवं जिज्ञासा का होना जरूरी है। इस दौरान अधिकारियों ने उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। विद्यालय में सबसे अधिक उपस्थित होने वाले छात्र-छात्राओं से प्रेरित होने दूसरे विद्यार्थियों को कहा गया। इस दौरान उन्होंने मध्यान्ह भोजन वितरण और गुणवत्ता को लेकर बच्चों से जानकारी ली।

सुश्री कौर के पूछने पर नमन रैदास ने पानी की महत्ता को प्रतिपादित करने वाली बात कही वहीं छवि मिश्रा ने जोश से भरी कहानी सुनाई। जिला पंचायत की सीईओ ने सराहना करते हुए अन्य छात्रों से तालियां बजवाई।

आंगनबाड़ी का निरीक्षण

आंगनबाड़ी केंद्र रैपुरा का निरीक्षण करने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं से चर्चा करते हुए उन्होंने नन्हे मुन्ने बच्चों से बात की। तथा कुपोषित बच्चों के विषय में जानकारी ली। उन्होंने कुपोषित बच्चों की बेहतर देखभाल और पौष्टिक आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। नन्हे मुन्ने बच्चों की मासूम हाजिर जवाबी पर खुश होते हुए उन्होंने कहा कि इनकी माताओं से संपर्क कर इन्हें अच्छे से तैयार करके आंगनबाड़ी केंद्र भेजने को कहें।

छात्रावास का किया निरीक्षण

जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने रैपुरा में पीडीएस का निरीक्षण करते हुए दुकान खोलने के दिवस, स्टॉक की स्थिति आदि के संबंध में दुकान प्रभारी से जानकारी ली।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर दिया गया विशेष बल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर ए.सी.सी. फैक्ट्री ग्राउंड में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुमित शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया। उन्होंने मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों से संबंधित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना की जानकारी देते हुये सभी नागरिकों से ऐसे व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की अपील की।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी हर्षित बिसेन ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति भी विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत निःशुल्क विधिक सहायता पाने के हकदार हैं। उन्होंने जनसमुदाय को विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और सभी से इन सेवाओं का लाभ लेने की अपील की। शिविर के दौरान बच्चों के बीच चम्मच दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुमित शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया।

आजादी के 78 वर्ष बाद भी दमगढ़ गांव में 'अंधेरे' का साम्राज्य

बच्चों की पढ़ाई से लेकर स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

अब तक बिजली से वंचित ग्रामीण, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पुष्पराजगढ़ विधानसभा के अंतिम छोर पर स्थित दमगढ़ गांव आज भी बुनियादी सुविधा बिजली से वंचित है। देश को आजाद हुए 78 वर्ष बीत चुके हैं और सरकार "हर घर बिजली" जैसी योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक रोशनी पहुंचाने के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी दमगढ़ गांव पूरी तरह अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर है। इस गांव के सैकड़ों परिवार अब भी लालटेन और दीये के सहारे अपना जीवन गुजार रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से बिजली आपूर्ति की मांग करते आ रहे हैं। कई बार बिजली विभाग और प्रशासन के अधिकारियों को लिखित आवेदन दिए गए, जनप्रतिनिधियों को भी समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक गांव में बिजली के खंभे तक नहीं लगाए गए हैं। शाम होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है और लोग मोबाइल टॉर्च व लालटेन के सहारे अपनी दिनचर्या पूरी करने को मजबूर हैं।

बच्चों की पढ़ाई पर प्रभाव

बिजली न होने का सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। छात्रों को रात में पढ़ाई करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हैं। किसी आपात स्थिति में मोबाइल फोन चार्ज न होने के कारण संपर्क साधने में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के अभाव में कोई भी आधुनिक सुविधा गांव तक नहीं पहुंच पाई है। पानी की मोटर, पंखा, टीवी, फ्रिज जैसी मूलभूत सुविधाएं यहां अब भी केवल सपना बनी हुई हैं। इससे गांव का सामाजिक और आर्थिक विकास भी पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

आंदोलन को होंगे विवश

स्थानीय निवासी बताते हैं कि हमारी कई पीढ़ियां अंधेरे में गुजर गईं। आज भी बच्चे लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करते हैं। नेता चुनाव के समय आते हैं, वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीतते ही सब भूल जाते हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र अति शीघ्र दमगढ़ गांव में बिजली पहुंचाने की ठोस व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को भी सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को भी विवश होंगे। जब पूरा देश डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गांव की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसे समय में दमगढ़ जैसे गांव का आज भी अंधेरे में डूबा रहना शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ठण्डी ने मचाया कोहराम, हाड़ कंपाने वाली सर्दी का एहसास

पवित्र नगरी ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

जिले भर में ठण्ड के प्रकोप ने सिहराया, इस साल की पहली ओस की चादर

जिले मे सर्दी का असली असर कल से दिखाई देने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान राज्य में कड़ाके की ठंड और शीतलहर चलेगी जिसका असर जिले मे भी है। इसकी मुख्य वजह एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है जो 5 दिसंबर से हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित किया है। इससे पहाड़ों पर बड़े पैमाने पर बर्फबारी होगी और वहां से आने वाली ठंडी हवाओं से मध्य प्रदेश में तापमान 2-3 डिग्री तक गिर जाएगा। यही कारण है पूरे प्रदेश में दिसंबर के पहले हफ्ते यानी 6 दिसंबर से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने इसकी मुख्य वजह 5 दिसंबर से सक्रिय हुये एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) को बताया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध मां नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, इन दिनों कड़ाके की ठंड का सामना कर रहा है। इसके साथ ही पूरे जिले मे ठण्डी का प्रकोप बढ़ गया है। अमरकंटक हिल स्टेशन पर सर्द हवाओं और कम तापमान ने ठिठुरन बढ़ा दी है। अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड का असर इतना अधिक है कि ओस की बूंदें सफेद चादर में बदल जाती हैं। रात भर पाला जमने के कारण शनिवार की सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई।यहां की ठंड सर्दियों में पर्यटकों को आकर्षित करती है, जिससे सर्दियों के मौसम में अमरकंटक में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। हालांकि, स्थानीय लोगों के लिए यह मौसम चुनौतियां लेकर आता है। दुकानदार और अन्य स्थानीय लोग अपने दैनिक कामकाज में ठंड से बचने के लिए दुकानों के बाहर अलाव जलाकर गर्मी का सहारा लेते हैं। अमरकंटक और इसके आसपास के गांवों में पिछले कुछ दिनों से ठंड तेजी से बढ़ी है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में यहां ठंड अपने चरम पर होती है, और इस बार ठंड समय से पहले शुरू हो गया है। पर्यटकों के लिए यह ठंड रोमांचकारी हो सकती है, लेकिन स्थानीय लोगों को इससे निपटने में काफी कठिनाई होती है। शुक्रवार-शनिवार की रात भर पाला जमने के कारण सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई। नर्मदा नदी के चारों ओर छाए घने कोहरे ने वादियों को मनमोहक बना दिया है। सुबह निकलते ही हल्की धूप ने मौसम को सुहाना कर दिया। पर्यटक इस अद्भुत नजारे का आनंद उठाते हुए प्रकृति की खूबसूरती को कैमरों में कैद कर रहे हैं। अमरकंटक में यह नजारा वर्ष का पहला पाला (बर्फ) पड़ा है।

बर्फबारी का असर

आगामी दिनों मे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हिमालयी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा, जिससे पहाड़ों पर भारी बर्फबारी होगी। इस बर्फबारी से निकलने वाली बर्फीली हवाएं सीधे मध्यप्रदेश की ओर रुख करेंगी, जिससे प्रदेश के तापमान में तेज़ी से गिरावट आएगी। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। नवंबर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड पड़ने के बाद यह संभावना जताई गई है कि दिसंबर, जनवरी और फरवरी के महीने भी पहले से ज़्यादा सर्द रहेंगे। हिमालयी क्षेत्रों पर सक्रिय हुआ नया पश्चिमी विक्षोभ बर्फबारी बढ़ाएगा, जिसका सीधा असर प्रदेश के मैदानी इलाकों पर पड़ेगा। बर्फ से लदी हवाएं यहां तक पहुंचेंगी और शीतलहर जैसे हालात बनेंगे।

तेज ठण्डी ने लोगों को घरों मे दुबकाया

मौसम के बदले तेवर से क्षेत्र में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सुबह शाम ठंड की कनकनी बढ़ गयी है। मानव सहित पशु, पक्षी ठंड के बढ़ते असर से ठिठुराने लगे है। शाम ढलते ही लोग घरों में दुबकने लगे है। बाजार में गर्म कपड़ों की बिक्री बढ़ गयी है। ठंड से सड़कों पर वाहनों की आवाजाही कम पड़ गयी है। जनमानस की दिनचर्या चरमरा गयी है। सुबह घरों से निकलना कष्टदायी हो रहा है। शाम ढलते ही हाट बाजार की भीड़ कम हो रही है। पशुओं के लिए ठंड का असर पीड़ादायी बनने लगा है। ग्रामीण क्षेत्र में ठंड ने खेती बारी पशुपालन कार्य को प्रभावित किया है। आर्थिक रुप से लचर गरीबों के लिए ठंड का असर कष्टदायी बन रहा है. शाम ढलने पर लोग घरों में दुबकने को विवश हो गये हैं।

शीत लहर के प्रकोप से बचने एडवायजरी जारी

गृह विभाग एवं मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भोपाल द्वारा शीतकालीन मौसम के दिनों में शीतलहर के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुए इससे होने वाली क्षति को कम करने, जन समुदाय को इसके दुष्प्रभावों से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में एडवायजरी जारी की गई है। एडवायजरी में जन समुदाय से कहा गया है कि शीतलहर से पहले सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें। आपातकालीन आपूर्तियों के लिए सभी जरूरी सामान तैयार रखें। शीतलहर के दौरान जितना संभव हो, घर के अंदर रहें। ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। अपने शरीर को सुखाकर रखें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदलें। इससे शरीर की उष्मा बनी रहेगी। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। नियमित रूप से गर्म पेय पिएं। बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ख्याल रखें। शीतदंश के लक्षणों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी या पीलेपन के प्रति सजग रहें। शीतदंश से प्रभावित हिस्से की मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान हो सकता है। शीतदंश से प्रभावित शरीर के हिस्सों को गुनगुने पानी में डालें। कंपकंपी को नजरअंदाज न करें - यह एक महत्वपूर्ण अग्रिम संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है।

अमरकंटक पुलिस की बड़ी कार्यवाही

लालपुर से अंग्रेज़ी शराब की बड़ी खेप बरामद, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

स्थानीय पुलिस ने लालपुर क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अंग्रेज़ी शराब की बड़ी खेप जब्त की है। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर अमरकंटक थाना पुलिस ने शनिवार देर शाम लालपुर मार्ग पर वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध हालत में जा रही बोलेरो वाहन (एमपी 36 सी 3101) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई 72 क्वार्टर अंग्रेज़ी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 14 हजार रुपये बताई गई है, तथा 48 क्वार्टर प्लेन शराब बरामद हुई। महिंद्रा बोलेरो वाहन जिससे अवैध शराब परिवहन किया जा रहा था कीमती 10 लाख जप्त किया है पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों कुंज बिहारी जायसवाल, रंजीत रैकवार और वेदप्रकाश पांडे तीनों निवासी राजेंद्रग्राम को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी आसपास के क्षेत्रों में

आपूर्ति के इरादे से शराब लेकर जा रहे थे। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34 के तहत मामला दर्ज कर वाहन को भी जप्त कर लिया गया है। आगे की जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पूरी कार्रवाई में नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी के मार्गदर्शन एवं उपनिरीक्षक पी.एस. बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम कृ अमलेश बघेल, पवन तिवारी, रवि पटेल और रघुराज सिंह ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन और बिक्री पर सख्त निगरानी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र में सक्रिय शराब माफियाओं को बड़ा संदेश देगी और भविष्य में इस तरह की तस्करी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

प्रकृति की गोद में आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभरता गांव

नर्मदा तट पर बसा दमगढ गांव बना संत-महात्माओं की तपोभूमि

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित छोटा सा गांव दमगढ आज अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपनी गहरी आध्यात्मिक पहचान के कारण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों में भी विशेष रूप से जाना जाने लगा है। चारों ओर फैली हरियाली, शांत वातावरण और कल-कल बहती नर्मदा की निर्मल धारा इस गांव को एक अलौकिक अनुभूति प्रदान करती है। यही कारण है कि यहां देश के विभिन्न हिस्सों से संत-महात्मा साधना और तपस्या के लिए पहुंचते हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसा दमगढ़ गांव प्रकृति की गोद में स्थित एक ऐसा शांत और पवित्र स्थल है, जहां कदम रखते ही मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। गांव के आसपास घने जंगल, छोटी-बड़ी पहाड़ियां और स्वच्छ वातावरण इस क्षेत्र को एक तपोस्थली के रूप में विशेष पहचान दिलाते हैं। वर्षों से संत-महात्मा यहां नियमित रूप से आकर ध्यान, साधना और तपस्या करते आ रहे हैं। उनकी उपस्थिति से गांव का वातावरण और भी अधिक धार्मिक एवं आध्यात्मिक बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां का प्राकृतिक परिवेश ध्यान और अध्यात्म के लिए अत्यंत अनुकूल है। साधु-संतों के निरंतर आगमन से गांव में भजन-कीर्तन, ध्यान-साधना और धार्मिक आयोजनों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इससे न केवल गांव का आध्यात्मिक महत्व बढ़ा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में धार्मिक चेतना का भी व्यापक प्रसार हुआ है।

तपोभूमि के रूप में बनने लगी पहचान

स्थानीय निवासी बताते हैं कि यहां कई संत-महात्मा तपस्या के लिए आते हैं। मां नर्मदा का आशीर्वाद है कि हमारा गांव इतना शांत और पवित्र माना जाता है। अब हमारी पहचान एक तपोभूमि के रूप में बनने लगी है। हर वर्ष गांव में धार्मिक अनुष्ठान, ध्यान शिविर, हवन-पूजन और श्रद्धालुओं का आगमन लगातार बढ़ रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय आर्थिक गतिविधियों पर भी देखने को मिल रहा है। श्रद्धालुओं और साधकों के आगमन से छोटे व्यापार, आवास, भोजन व्यवस्था और स्थानीय सेवाओं को बढ़ावा मिला है, जिससे ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नर्मदा की निर्मल धारा के साथ बहती आस्था और तपस्या की परंपरा ने दमकद गांव को एक नई पहचान दिला दी है। यह गांव अब केवल एक सामान्य ग्रामीण बस्ती नहीं रह गया है, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना स्थल और शांत धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है।

अधिवक्ता संघ चुनाव मे 114 वोट पाकर संतोष सिंह परिहार तीसरी बार बने अध्यक्ष

रामकुमार राठौर सचिव पद पर निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव 5 दिसंबर को संपन्न हो गए। इसमें अधिवक्ता संतोष सिंह परिहार तीसरी बार अध्यक्ष चुने गए हैं, वहीं अधिवक्ता रामकुमार राठौर ने सचिव पद पर जीत हासिल की है। अन्य प्रमुख पदों पर भी नतीजे घोषित किए गए हैं। अधिवक्ता अशोक पटेल उपाध्यक्ष, अधिवक्ता छोटेलाल प्रजापति सहसचिव, अधिवक्ता दयाशंकर शुक्ला कोषाध्यक्ष और राजकुमार राठौर पुस्तकालय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में अधिवक्ता संतोष सिंह परिहार को 114 मत मिले, जिससे उन्होंने जीत दर्ज की। उनके प्रतिद्वंद्वी जगदीश प्रसाद पांडे को 93 वोट और विनोद कुमार सोनी को 111 वोट प्राप्त हुए। सचिव पद पर अधिवक्ता रामकुमार राठौर ने 183 मतों के साथ जीत हासिल की, जबकि गिरधारी साहू को 128 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद के लिए अधिवक्ता अशोक कुमार पटेल को 167 वोट मिले, जबकि दुर्गेश कुमार सोनी को 143 वोट प्राप्त हुए। सहसचिव पद पर छोटेलाल प्रजापति ने 167 मतों के साथ संजय दुबे (144 वोट) को हराया। कोषाध्यक्ष पद पर दयाशंकर शुक्ला को 182 वोट मिले, जबकि पूजा प्रजापति को 126 वोट प्राप्त हुए। पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए राजकुमार राठौर ने 174 मत प्राप्त कर शिव शंकर यादव (141 वोट) को पराजित किया।

श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र का शुभारंभ,क्षेत्रवासियों को मिलेंगी बेहतर नेत्र सेवाएं

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोतमा विधानसभा क्षेत्र के बिजुरी एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों को उत्कृष्ट नेत्र जांच सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र का शुभारंभ बिजुरी में किया गया। उद्घाटन प्रदेश के मंत्री एवं नगरपालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका एवं उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा ने फीता काटकर किया। बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन करते हुए कोतमा विधायक एवं प्रदेश सरकार के मंत्री ने इसे बिजुरी क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा मुझे पूर्ण विश्वास है यह केंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर नेत्र जांच सेवाएं प्रदान कर उनके स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आंखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैं और उनकी देखभाल अब इस नए और आधुनिक केंद्र के माध्यम से

सुलभ हो जाएगी। नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा ने भी इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए वरदान साबित होगा जिन्हें अब गुणवत्तापूर्ण नेत्र जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने केंद्र के संचालक डा. जयंत एक्का, डॉ. रामकेश द्विवेदी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे सेवाभाव के साथ कार्य करेंगे। श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र में अत्याधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। केंद्र के प्रबंधन ने बताया कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति नेत्र संबंधी समस्याओं के कारण कष्ट न उठाए। इस केंद्र के खुलने से बिजुरी और आसपास के इलाकों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और समय पर उपचार मिल सकेगा, जिससे क्षेत्र के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

एसआईआर कार्य में योगदान देने वाली टीम को कलेक्टर ने दी बधाई

जिले में एसआईआर गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन कार्य शत प्रतिशत हुआ पूर्ण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 कार्य हेतु जारी कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के गणना पत्रक का डिजिटाईजेशन कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर जिले के कुल मतदाताओं की संख्या 5 लाख 39 हजार 7 सौ 93 है। जिनमें से विधानसभा क्षेत्र कोतमा में 1 लाख 53 हजार 3 सौ 11, विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर में 1 लाख 81 हजार 5 सौ 71 तथा विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ में 2 लाख 4 हजार 9 सौ 11 मतदाता हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हर्षल पंचोली द्वारा एसआईआर कार्य की पूर्णता के संबंध में अनूपपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ सुपरवाईजर व बीएलओ को दिये गये निर्देश, सतत समीक्षा एवं सघन मॉनिटरिंग से जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाईजेशन का कार्य 5 दिसम्बर 2025 को देर शाम तक 100 प्रतिशत पूर्ण करने में सफलता अर्जित की है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 के गणना पत्रकों का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्णता की सफलता प्राप्त होने पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ सुपरवाईजर एवं बीएलओ तथा समस्त जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की पूर्णता के लिए दिए गए योगदान के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

यातायात एवं परिवहन विभाग की संयुक्त वाहन चेकिंग कार्रवाई

शहपुरा। डिंडोरी जिले में यातायात व्यवस्था सुधारने एवं नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज यातायात और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई गुप्त रूप से की गई, जिसमें नियम विरुद्ध वाहन संचालन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 7900 रुपए का राजस्व वसूला गया। कार्रवाई के दौरान परिवहन अधिकारी सुरेंद्र गौतम सहित यातायात एवं परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी एवं अमला उपस्थित रहा।